

## Day-3

Q.

Discuss how the Government of India Act, 1935 laid the constitutional foundation of the modern Indian state. Which key features of this Act were later retained in the Indian Constitution?

भारत सरकार अधिनियम, 1935 ने आधुनिक भारतीय राज्य की संवैधानिक नींव कैसे रखी? इसके कौन-से प्रमुख प्रावधान भारतीय संविधान में शामिल किए गए? 38 M

**BRAJESH KUMAR**

**10:05:23 AM**

①

प्रश्न = भारत सरकार अधिनियम 1935 ने आधुनिक भारतीय राज्य की संवैधानिक नींव कैसे रखी? इसके कोन-कोन से प्रमुख प्रावधान भारतीय संविधान में शामिल किए गए।

~~उत्तर = 1928 के नेहरू रिपोर्ट में पहली बार भारत के लिए डोमिनियन स्टेटस की मांग की गई दूसरी ओर केन्द्र और प्रांतों के स्तर पर पूर्ण स्वायत्तता की भी मांग की गई। 1919 का अधिनियम अशफल रहा।~~

1935 का एक्ट लाया गया जिसमें निम्न आधार पर कहा जा सकता है कि इस अधिनियम ने आधुनिक भारतीय राज्य की संवैधानिक नींव रखी।

(क) अखिल भारतीय संघ का प्रावधान -

इसके तहत अखिल भारतीय संघ का प्रावधान किया गया, जिसके अन्तर्गत ब्रिटिश भारतीय प्रांतों और कमिश्नर प्रांतों को शामिल होना अनिवार्य था। लेकिन केजी रिवायसी के संदर्भ में इसे वैकल्पिक रखा गया।

(ख) प्रांतों में द्वैध शासन की स्थापना -



②

प्रांतीय स्तर पर प्रेष शासन की व्यवस्था समाप्त कर प्रांतीय स्वायत्तता का शुभारंभ किया गया। उसने राज्यों में उत्तरदायी सरकार की स्थापना की यानि गवर्नर के राज्य विधान परिषदों के लिए उत्तरदायी मंत्रियों की सलाह पर कार्य करना आवश्यक था।

(ग) केन्द्र में प्रेष शासन की शुरुआत -

उसके तहत ~~रक्षा~~, विदेश नीति, आंतरिक सुरक्षा गवर्नर के अधीन कर दिया गया।

(घ) सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व -

उसने दलित जातियों, महिलाओं, और भजद्वर वर्गों के लिए अलग से निर्वाचन की व्यवस्था कर सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व का विस्तार किया।

(ङ) निर्वाचन प्रणाली का विस्तार -

उसने मतदाताओं का विस्तार किया अब लगभग 10-14 प्रतिशत वयस्क जनसंख्या के मतदान का अधिकार प्रदान किया गया।

(च) अन्य व्यवस्थाएं -

separate electorate  
↓  
depressed  
Joint Hindu



③

उसके तहत संघीय न्यायालय के रूप में सुप्रीम कोर्ट तथा केन्द्रीय बैंक के रूप में रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया की स्थापना का प्रावधान किया गया।

### अधिनियम 1935

- पहली बार 3 करोड़ भारतीयों के मतार्थकार
- विधायिका द्वारा संविधान संशोधन का प्रस्ताव लाना
- केन्द्रीय स्वायत्तता हेतु राष्ट्रीय आकांक्षाओं का जताने का कार्य
- भारत को एक संघीय राज्य की ओर बढ़ाना
- केंद्र व राज्यों के बीच शक्तियों के विभाजन का प्रावधान

संघीय  
प्रणाली

भारत सरकार अधिनियम 1935 से भारतीय संविधान में शामिल तत्व —:

(क) मुद्रा और शाख पर नियंत्रण के लिए  
भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना।



(4)

(ख) केंद्र तथा प्रान्तों के बीच शक्तियों का विभाजन के लिए सुचियाँ -

संघीय सूची

राज्य सूची

समवती सूची

(ग) संघ लोक सेवा आयोग की स्थापना के साथ-साथ के या अधिक राज्यों के लिए संघ लोक सेवा आयोग की स्थापना।

(घ) भारत के लिए एक संघीय न्यायालय की स्थापना।

(ङ) राज्यपाल का पद

(च) प्रशासनिक सेवाओं का पद

निष्कर्ष -

यह अधिनियम भारतीय संविधान का मूलप्रिंट कहलाया। संविधान सभा की संरचना, संघीय ढांचा, न्यायपालिका, आपातशक्तियाँ इत्यादि भारतीय संविधान में शामिल तब इसी अधिनियम से प्रेरित हुए।

अतः यह एक भारतीय संवैधानिक विकास में मील का पत्थर साबित हुआ।